ग) झरने पर्वतों का गौरवगान करते हुए कैसे लग रहे हैं? (1)

प्र11. अपने अंदर का दीपक दिखाई देने पर कौन-सा अँधियारा कैसे मिट जाता है? कबीर की साखी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। **(5)**

प्र12. 'सपनों के से दिन' कहानी के आधार पर बताइए कि बचपन में लेखक और उसके साथी ग्रीष्मावकाश किस प्रकार व्यतीत करते थे? **(5)**

खण्ड-घ (लेखन)

प्र13. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखो। (5)

क) अध्ययनः एक उपयोगी आदत

संकेत बिंदु- मानव जीवन में ज्ञान का महत्त्व

ज्ञान प्राप्ति में पुस्तकों की भूमिका

अध्ययन की प्रवृत्ति से लाभ

ख) महानगरों का तनाव भरा जीवन

संकेत बिंदु- महानगरों की जीवन शैली

मानवीय संबंधों का ह्रास

तनाव एवं उससे बचने के उपाय

ग) आदर्श नागरिक का योगदान

संकेत बिंदू- आदर्श नागरिक का अर्थ

आदर्श नागरिक के कर्त्तव्य

आदर्श नागरिक की राष्ट्र एवं समाज में भूमिका

प्र14. नगर में सघन आबादी में कल-कारखानों और यातायात के कारण होने वाले ध्वनि-प्रदूषण के विरुद्ध नगर-योजना अधिकारी को पत्र लिखिए। **(5)**

प्र15. विद्यालय के प्रधानाचार्य की ओर से विद्यार्थियों को अनुशासन भंग न करने की चेतावनी देते हुए 20-30 शब्दों में सूचना लिखिए। (5)

प्र16. 'हिंदी भाषा के महत्त्व' के विषय में दो छात्रों के मध्य होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। (5)

प्र17. 'साक्षरता अभियान' पर 20-25 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। (5)

1. कविता में किसानों और बैलों का संबंध कैसे बताया गया है?
2. किसान के परिश्रम का खेतों और किसानों पर क्या प्रभाव पड़ता है?
3. कवि 'ऋतुओं का अविचल क्रम' पंक्ति के द्वारा से क्या बताना चाहता है?
4. कवि के अनुसार किसान के दिन और रात कैसे बीतते हैं?
5. किसान त्योंहारों को कैसे मनाते हैं?
6. काव्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

खण्ड-ख (व्याकरण)

प्र3. शब्द और पद में उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए। **(2)**

प्र4. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए: (3)

क) जैसे ही चोर घर में घुसे, पुलिस आ गई। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

ख) उसे भूख लगी थी इसलिए वह बात नहीं कर पा रहा था। (सरल वाक्य में बदलिए)

ग) मेरी बात मानकर तुम्हें खुशी मिलेगी। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

प्र5क) निम्नलिखित समस्त पदों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए:(2)

कार्यमुक्त, गजानन

ख) समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए: यथाशक्ति, जग में बीती **(2)**

प्र6. अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखें: (4)

1. वो राम के नाम को जपती रहती हैं।
2. वह कुत्ता को घुमाने ले गया है।
3. आप वह काम नहीं किए।
4. मै आज नाश्ता नहीं किया।

प्र7. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर, वाक्य में प्रयोग कीजिए: (2)

आकाश-पाताल एक करना, एक और एक ग्यारह

खण्ड-ग (पाठय-पुस्तक)

प्र8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

क) येल्दीरीन की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन संक्षेप में कीजिए। (2)

ख) 'तीसरी कसम' ने राज कपूर को किस तरह ऊँचाई प्रदानकी? (2)

ग) 26 जनवरी, 1931 को ट्रैफिक पुलिस सड़कों पर क्यों दिखाई नहीं दे रही थी? (1)

प्र9. 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर लेखक के स्वभाव पर टिप्पणी कीजिए। **(5)**

प्र10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

क) मीरा श्री कृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तैयार है? (2)

ख) गोपियाँ श्रीकृष्ण की बाँसुरी न लौटाने के लिए क्या बहाने बनाती है? (2)

Budha Dal Public School Patiala (16 September 2017)
UNIT - I
Class - X
Hindi
SET - A

Time: 3 hrs. **MM: 80**

खण्ड क (अपठित बोध)

प्र1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर दें: **(9)**

सज्जनों का साथ सत्संगति कहलाता है। सज्जनों का साथ करने से आदमी के आचार-विचार तो अच्छे होते हैं, अच्छे संस्कार भी जागते और बनते हैं। उनके जागने से मनुष्य में मनुष्यता का विकास होता है। सत्संगति मनुष्य के सद्गुणों को विकास तो करती ही है, उसकी सोई हुई शक्तियाँ भी जगा देती है। ऐसा हो जाने पर मनुष्य के लिए कुछ भी कर पाना कठिन नहीं हुआ करता। अच्छे लोगों की सहायता-सहयोग और शक्तियों के जाग उठने पर आदमी अपने साथ-साथ पूरे समाज, देश-जाति और सारी मानवता का भला कर सकता है। सत्संगति से मनुष्य के ज्ञान-क्षेत्र का विस्तार होता है। उसमें मनुष्यता का विकास होता है। विकसित मनुष्य सभी का भला कर सकता है।

इसके विपरीत एक अच्छा-भला आदमी भी कुसंगति का शिकार होकर बिगड़ जाता है। वह अपनी सारी अच्छाइयों, काम करने की शक्तियों से हाथ धो बैठता है। उसकी बुराइयों से परिचित होने के कारण न तो कोई उसकी सहायता करता है, न अपने पास ही फटकने देता है। सभी उसे घृणा की दृष्टि से देखते हैं। बुराई के डर से मुँह पर चाहे कुछ न कहे, पर पीठ पीछे उसकी प्रशंसा कोई नहीं करता। सभी उससे दूर रहना चाहते हैं। सामने पाकर भी कन्नी काट जाते हैं। कुसंगति का शिकार आदमी अपना या अपने घर-परिवार, किसी का भी भला नहीं कर पाता। उसके कारण उसके अच्छे-भले घर-परिवार को भी बदनाम हो जाना पड़ता है। बुरी संगत में फँसे लोग समाज और देश-जाति का भी बुरा करने वाले तथा अपमान का कारण हुआ करते है।

प्रश्न

1. सत्संगति का मानव जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है?
2. मनुष्य सारी मानवता का भला कैसे कर सकता है?
3. सत्संगति क्या है?
4. एक अच्छे व्यक्ति पर कुसंगति का क्या प्रभाव पड़ता है?
5. बुरी संगति में फँसे लोगों का क्या हाल होता है?

प्र2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (6)

बजी गले की घंटी ज्यों ही बैलों को पुचकारा,
ममता का संबंध पुराना उनका और हमारा।
हल है मेरे हाथ जुए में वे कंधा देते हैं,
गौ के जाए मेरे श्रम को दूना कर देते हैं।
हँस पड़ते है खेत, बाग में उठते झूम रसाल,
धरती मेरी प्यारी माँ है, मैं धरती का लाल।
सरदी, गरमी, वर्षा यह तो ऋतु का अविचल क्रम है।
स्वेद-सलिल से लहराता जो वह शरीर का श्रम है।
दिन खेतों में छिप जाता है, रात नींद में जाती,
त्योहारों की तरल उमंगें जीवन में रस लातीं।
पैरों में घुँघरू नाच उठते, डफ देता है ताल,
धरती मेरी प्यारी माँ है, मैं धरती का लाल।